भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2291
15.12.2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

कीटनाशक निर्माण प्रौद्योगिकी संस्थान (आईपीएफटी)

2291. श्रीमती पूनमबेन माडम:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश में कीटनाशकों के निर्माण में अनुसंधान और विकास हेतु कोई कदम उठाया है/उठाने का विचार है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या कीटनाशक निर्माण प्रौद्योगिकी संस्थान (आईपीएफटी) को अंतरराष्ट्रीय/राष्ट्रीय निकायों से मान्यता प्राप्त है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) देश में कीटनाशक निर्माण में आईपीएफटी की भूमिका का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रसायन एवं उर्वरक तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री

(श्री भगवंत खुबा)

(क) और (ख): जी हां। सरकार ने नई पीढ़ी की कीटनाशक सूत्रीकरण प्रौद्योगिकियों का विकास करने, कुशल अनुप्रयोग प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने, सुरक्षित विनिर्माण प्रथाओं के बारे में जानकारी का प्रसार करने, विश्लेषणात्मक और परामर्श सेवाएं प्रदान करने के साथ साथ कीटनाशक कर्मियों के लिए विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक स्वायत्त संस्थान के रूप में कीटनाशक सूत्रीकरण प्रौद्योगिकी संस्थान (आईपीएफटी) की स्थापना की है।

(ग) और (घ): जी हां। आईपीएफटी में विश्लेषणात्मक सुविधा को कीटनाशकों के विश्लेषण के लिए आईएसओ/आईईसी 17025:2017 के अनुसार राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) द्वारा मान्यता प्राप्त है। इस संस्थान को कीटनाशकों के पंजीकरण के लिए जैव-प्रभावकारिता, फाइटो-विषाक्तता और अवशेष के अध्ययन पर डेटा तैयार करने के लिए केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और पंजीकरण

समिति (सीआईबी और आरसी) द्वारा मान्यता प्राप्त है। आईपीएफटी को कीटनाशकों के विश्लेषण के लिए नेशनल गुड लेबोरेटरी प्रैक्टिस कंप्लायंस मॉनिटरिंग अथॉरिटी (एनजीसीएमए) द्वारा भी प्रमाणित किया गया है।

(ड.): आईपीएफटी सक्रिय रूप से सस्पेंशन कॉन्संट्रेट, वॉटर डिस्पर्सिबल ग्रैन्यूल्स, माइक्रो-एनकैप्सुलेशन, इमल्शन, बायो-बोटैनिकल फॉर्मूलेशन और नैनोटेक्नोलॉजी-आधारित फॉर्मूलेशन सहित उपयोगकर्ता और पर्यावरण-अनुकूल कीटनाशक फॉर्मूलेशन के विकास में लगा हुआ है। अस्सी से अधिक फॉर्मूलेशन की प्रौद्योगिकियों को सफलतापूर्वक विकसित किया गया है और विभिन्न कृषि रसायन उद्योगों में हस्तांतरित किया गया है, जबकि विभिन्न कीटनाशक फॉर्मूलेशन पर बीस पेटेंट दायर किए गए हैं। प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध पत्र प्रकाशित किए गए हैं और कीटनाशकों के पंजीकरण के लिए कीटनाशक अवशेष डेटा उत्पादन पर कई परियोजनाएं क्रियान्वित की गई हैं। आईपीएफटी टिकाऊ कृषि के लिए पर्यावरण-अनुकूल फॉर्मूलेशन और प्रथाओं के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए किसानों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करने के अलावा, कीटनाशक उद्योगों के तकनीकी कर्मियों को कीटनाशक फॉर्मूलेशन, विश्लेषण और अनुप्रयोग तकनीकों पर प्रशिक्षण भी प्रदान करता है।

*****